ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:18.06.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-06-18(अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	19/06/2024	20/06/2024	21/06/2024	22/06/2024	23/06/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	10.0	5.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	41.0	39.0	39.0	38.0	38.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	26.0	25.0	25.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	65	75	70	65	66
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	25	25	25	25	25
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	20	14	13	14	14
पवन दिशा (डिग्री)	110	110	110	110	110
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	4	2	1	4

समसारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (11 से 17 जून) को क्षेत्र में 0 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 42.0 से 43.5oC और 23.4 से 29.1oC के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 39-66% और 18-31% के बीच रही, जबकि हवा पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम से 5.7-9.9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिनों में आसमान साफ रहा। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 19 और 20 जून को 5-10 मिमी की बहुत हल्की वर्षा हो सकती है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 38.0-41.0oC और 25.0-26.0oC के बीच रहने की उम्मीद है। 19 जून को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है तथा शेष अवधि के दौरान शेष जिलों में शुष्क मौसम रहने की संभावना है। 18 जून को कुछ स्थानों पर उष्ण लहर से लेकर भीषण उष्ण लहर की स्थिति के बारे में ऑरेंज अलर्ट दिया है। 19 जून को अलग-अलग स्थानों पर लू की स्थिति के बारे में पीली चेतावनी दी गई है। 19 जून को अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। 19 जून को अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने/तूफान (50-60 किमी प्रति घंटे) की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान मौसम विज्ञान और बिजली संबंधी डेटा के नियमित अपडेट के लिए क्रमशःगूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से "मेघदूत" और "दामिनी" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। एनडीवीआई क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 14.06.2024 से 20.06.2024 के दौरान बड़े पैमाने पर कम वर्षा और सामान्य से अधिक अधिकतम और सामान्य न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है। आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए तथा फसल को गर्म लहरों से बचाने के लिए वायु अवरोधी/आश्रय बेल्ट का उपयोग किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, गर्म हवाएं और आंधी-तूफान की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है, इसलिए कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित और आवश्यकतानुसार लागू किया जाना चाहिए ।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	नर्सरी की तैयारी	धान की शीघ्र पकने वाली प्रजातियों गोविंद, नरेन्द्र 118, नरेन्द्र 97, साकेत 4, आदि की नर्सरी 20 जून तक बो दें। सुगंधित धान की किस्में- टाइप 3, तरावड़ी बासमती, पूसा बासमती-1, बासमती-370, पंतसुगंधधान 15, पंतसुगंध, धान-17, पंतसुगंध धान-21, पूसा सुगंध-2, पूसा सुगंध-3, पूसा सुगंध-4 पूसा-1121, पूसा सुगंध-5, पी.आर.एच. की रोपाई 15 से 30 जून के बीच कर दें। धान की पौध गीली व सूखी विधि से तैयार की जा सकती है। गीली विधि में रोपाई वाले स्थान पर 15-20 दिन पहले पानी लगा दें, ताकि खरपतवार अंकुरित होकर खेत तैयार करते समय खेत में मिल जाएं। उपरोक्त खाद को सूखी विधि से डाल कर खेत तैयार करें तथा 500 ग्राम बीज प्रति 10 वर्ग मीटर की दर से पंक्तियों में 5-10 सेमी की दूरी पर बोना चाहिए तथा बोने के बाद पानी देना चाहिए। बीजों को कार्बेन्डाजिम 50% डब्लू. पी. @ 2 ग्राम/किग्रा की दर से उपचारित करें। धान की क्यारियों को तेज धूप से बचाने के लिए छाया जालों का प्रयोग करें। । पौधों की रोपाई शाम के समय की जानी चाहिए।
मूंगफली	बुवाई	उच्च उपज वाले उपचारित बीजों को बोना चाहिए तथा बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
अरहर	अंकुरण	आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा मृदा जल संरक्षण के उपाय करने चाहिए। अंकुरित पौधों को छाया जाल का उपयोग करके गर्मी की लहर से बचाना चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई करनी चाहिए तथा मिट्टी चढ़ाने का कार्य करना चाहिए।
वसंत मक्का	परिपक्वता/ कटाई	बिक्री के उद्देश्य से वसंत ऋतु में मक्के के परिपक्व भुट्टों को बारिश शुरू होने से पहले काटा जाना चाहिए। गर्मी के तनाव से बचने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई करनी चाहिए।
खरीफ मक्का	बुवाई	खरीफ मक्का की क्लस्टर किस्में जैसे-तरूण, नवीन, किरण, नवजोत, प्रताप मक्का-1, पूसा क्लस्टर 3 और 4 बोई जा सकती हैं। बीजदर 18-20 किग्रा/हेक्टेयर रखी जा सकती है तथा बुआई 60-75 सेमी की दूरी पर की जा सकती है। बुआई के तुरन्त बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	बुवाई/रोपाई	रोपाई शाम के समय की जानी चाहिए। पंक्ति से पंक्ति 75 सेमी और पौधे से पौधे

		60-75 सेमी की पर्याप्त दूरी बनाए रखी जानी चाहिए।
कद्दू वर्गीय सब्जियों/ अन्य खीरे के प्रजातियां	फूल/ फल बनना	गर्मी के तनाव से बचने के लिए मिट्टी की नमी संरक्षण उपायों और हवा के अवरोधों का अभ्यास करें। काटी गई उपज का भंडारण सावधानी से करें।
भिंडी	फल बनना	कटाई के चरण में, किसी भी प्रकार के कीटनाशक के प्रयोग से बचना चाहिए। यदि आवश्यक हो, तो किसान नीम के तेल का 3 मिली/लीटर पानी में जैविक प्रयोग कर सकते हैं। आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
मिर्च	फल बनना	किसान भाई तैयार मिर्च की फसल की तुड़ाई पूरी कर लें। यदि मिर्च की फसल काली हो कर सूख रही हो तो उसकी ऊपरी डंठल हटा दें और 0.1% कार्बेन्डाजिम घोल का छिड़काव करें। फूल गिरने से बचाने के लिए नमी बनाए रखें।
अदरक/ह ल्दी	रोपाई	फसलों की रोपाई मानसून के मौसम में की जा सकती है और उचित विकास के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखी जानी चाहिए। छोटे पौधों को शेड नेट का उपयोग करके सुरक्षित रखें।
आड़ू/बेर/ नाशपाती	तुड़ाई	गुठलीदार फलों की कटाई करें और खेत में नियमित सिंचाई करें।
आम	फल बनना	गर्मी के तनाव और फलों के गिरने से बचने के लिए सिंचाई करें।
लीची	फल बनना	गर्मी के तनाव और फलों के फटने से बचने के लिए सिंचाई करें।

पशुपालनविशिष्टसलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	पशुओं को छाया में रखें। उचित टीकाकरण प्रदान किया जाना चाहिए। गर्मी के तनाव से बचने के लिए पीने के पानी की नियमित आपूर्ति बनाए रखी जानी चाहिए। शेडों में पंखे और कूलर की व्यवस्था की जानी चाहिए। गर्मी के तनाव से बचने के लिए भैंसों को लोटने के लिए रखा जाना चाहिए।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	फलों के झड़ने को बचाने के लिए बेसिनों में मल्चिंग जैसे मृदा संरक्षण उपाय किए जाने चाहिए और सिंचाई की जानी चाहिए। युवा पौधों और फलदार पौधों में आश्रय बेल्ट, पवन अवरोधक और छाया जाल का उपयोग करें।